मैया तेरी जय जयकार हो | By Ram Shyam Bandhu

जो भी तेरे दर पे आये उसका बेडा पार हो
मैया तेरी जय हो जय हो माँ तेरी जय जयकार हो
सजता रहे माँ यूँ ही तेरा दर, तेरा दर्शन बारम्बार हो
मैया तेरी जय हो जय हो माँ तेरी जय जयकार हो

तुझसे बढ़ कर कौन है जग में, माँ तू सबसे प्यारी है
तुझसे ही ये सृष्टि बनी है माँ तू सबसे न्यारी है
माँ तेरे आँचल में जी लेंगे तुम ममतामई बहार हो
मैया तेरी जय हो जय हो माँ तेरी जय जयकार हो

माँ शेरावालिये, तेरी जय जयकार
माँ लाटावालिये, तेरी जय जयकार
माँ शेरावालिये, तेरी जय जयकार
माँ पहाड़ा वालिये तेरी जय जयकार

जब भी अत्याचार बढे तो दुष्टो का संहार किया
सिंह सवारी करके आई भक्तों का उद्धार किया
सारी खुशियां मिल जाती है भरती सबके भण्डार हो
मैया तेरी जय हो जय हो माँ तेरी जय जयकार हो

माँ शेरावालिये, तेरी जय जयकार
माँ लाटावालिये, तेरी जय जयकार
माँ शेरावालिये, तेरी जय जयकार
माँ पहाड़ा वालिये तेरी जय जयकार

सदा मेहरबां अपने सच्चे भक्तों पर माँ होती है
सारा जग गुण गाता है घर घर में जले तेरी ज्योति है
राकेश तेरा द्वार ना छोड़े आना यहाँ हर बार हो
मैया तेरी जय हो जय हो माँ तेरी जय जयकार हो

माँ शेरावालिये, तेरी जय जयकार
माँ लाटावालिये, तेरी जय जयकार
माँ शेरावालिये, तेरी जय जयकार

जो भी दर पे आ जाए
वो तो खाली ना जाए
सबके तू दुखड़े हरती
झोलियाँ सबकी भारती
तेरी ममता से गहरा, कोई सागर नहीं है
मेरी माँ के बराबर जहाँ में कोई नहीं है
सृष्टि का पालन पोषण तुम्ही तो माँ हो करती
जो भी श्रद्धा से पूजे साथ उनके तुम रहती
जबसे तेरा दर्शन पाया, तेरा गुणगान है गाया
दुःख हुआ दूर मैया चरणों में शीश झुकाया
तुमने अपनी कृपा की छाया हम पर है कर दी
झोलियाँ सब भक्तों की मैया तुमने है भर दी
करके दीदार माँ का अपनी किस्मत को खोलो
माँ के दरबार आके माँ का जयकारा बोलो

प्रेम से बोलो जय माता दी
सारे बोलो जय माता दी
वैष्णो रानी जय माता दी
अम्बे कल्याणी जय माता दी
माँ भोली भाली जय माता दी
माँ शेरोवाली जय माता दी
झोली भर देती जय माता दी
संकट हर लेती जय माता दी
जय माता दी जय माता दी
जय माता दी जय माता दी
जैकारा शेरवाली दा, पहाड़ा वाली दा
बोल सांचे दरबार की जय.......

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%9c%e0%a4%af-%e0%a4%9c%e0%a4%af%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%b9%e0%a5%8b-by-ram-shyam-bandhu/